नेशनल हाईवे घोषित करने के लिए बिहार में नए सिरे से सड़कों की पहचान की जाएगी

राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई बढ़ेगी

विधानमंडल से

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार में नेशनल हाईवे (राष्ट्रीय राजमार्ग) की लंबाई बढ़ेगी। नेशनल हाईवे घोषित करने के लिए बिहार में नए सिरे से सड़कों की पहचान की जाएगी। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बुधवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार से बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई बढ़ाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे घोषित करने के लिए राज्य के अंदर की सड़कों को चिह्नित करने की कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय औसत से कम राष्ट्रीय उच्च पथ है। प्रति एक लाख की आबादी पर 10.90 किलोमीटर राष्ट्रीय उच्च पथ की तुलना में बिहार में 4.54 किलोमीटर राष्ट्रीय उच्चपथ ही है। इसी तरह क्षेत्रफल के आधार पर देश में राष्ट्रीय उच्च पथ की औसत लंबाई 39.90 किमी प्रति हजार वर्ग किलोमीटर की तुलना में बिहार में औसत लंबाई 63.24 किलोमीटर है। दरअसल, अरुण शंकर प्रसाद ने अल्प सूचित प्रश्न के माध्यम से यह मामला उठाया था। उन्होंने कहा कि देश में कुल एनएच की लंबाई 146145 किलोमीटर है, जबकि बिहार में केवल 6131 किलोमीटर है। उधर, महाराष्ट्र में 18459 किलोमीटर, राजस्थान में 10706 किलोमीटर है। इसी प्रकार आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में भी एनएच की लंबाई बिहार से अधिक है।

छह लेन की भी बन रही हैं सड़कें : नितिन नवीन

मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि वर्ष 2005 में राज्य में दो लेन की सड़कों की लंबाई 1200 किलोमीटर थी जो अब बढ़कर 2000 किलोमीटर हो गयी है। इसी प्रकार से फोर लेन की सड़कों की लंबाई 800 किलोमीटर से बढ़कर 2600 किलोमीटर हो गयी है। राज्य में उस समय एनएच मात्र 3600 किमी था, जो अब 6000 किमी है। इसमें आमस-दरभंगा, पटना-बेतिया, आरा-सासाराम, वाराणसी-कोलकाता के अलावा राम जानकी मार्ग और बक्सर-चौसा मार्ग का भी निर्माण कराया जा रहा है।